

1

2

12.09.25

~~कश्चिदन्तागण उपलब्ध । वादी क कश्चिदन्ता~~
~~रूपायं शान्ति के वीर्य होने के लिये~~
~~मकल दिये जाने का विवेक किता वरुण~~
~~जिसे उग्र - पद्म की सहमति के शीघ्र म~~
~~पनावली उग्र - पद्म के निवेदन पर 15.09.25~~
~~को निमत की जाती है वादीगण द्वारा~~
~~शान्ति का आवश्यक रूप से उपलब्ध 22/9~~
~~जावे एवं कश्चिदन्ता पुत्रिकागण द्वारा हादमक रण~~
~~के उपलब्ध होने शान्ति को परीक्षित किया~~
~~गिया जावे)~~

जयप

अपर जिला न्यायाधीश
 फतेहपुर-शंखावाटी (सीकर) राज.